(ग) पिछले वर्ष और इस वर्ष इस संबंध में प्राप्त हुये सुझावों का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) इस मामले पर सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता है।

(ग) और (घ) कोयला खान भविष्य निधि संगठन से न्यासी बोर्ड द्वारा संगठन के कार्य निष्पादन की नियमित रूप में समीक्षा की जाती है ताकि इसके सदस्यों की सेवाओं में सुधार लाया जा सके, अतः इस संबंध में किसी विशिष्ट अथवा व्यक्तिगत सुझाव के बारे में सूक्ष्म निरूपण नहीं किया जा सकता है।

कोयले से संश्लिष्ट तेल का उत्पादन

761. मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) निम्न तापीय कार्बनीकरण कोयला संयंत्रों तथा कोयले से संश्लिष्ट तेल के उत्पादन का विस्तृत ब्यौरा क्या है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में क्या प्रगति हुई है ; और

(ग) निकट भविष्य के लिये इस संबंध में क्या योजनायें हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) भारत में वाणिज्यिक स्तर पर दो निम्न तापीय कोयला कार्बनीकरण संयंत्र कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार का एक संयंत्र पश्चिम बंगाल के दानकुनी में और दूसरा आंध्र प्रदेश के रामाकृष्णपुरम में अवस्थित है। भारत में वाणिज्यिक स्तर पर कोयला से सिंथेटिक आयल का उत्पादन किये जाने के लिये कोई संयंत्र विद्यमान नहीं है। किसी नये निम्न तापीय कोयला कार्बनीकरण संयंत्र अथवा कोयला से सिंथेटिक आयल का उत्पादन किये जाने के लिये संयंत्र स्थापित किये जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

कोयला और लिग्नाइट के क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी क्षेत्र के प्रतिष्ठान

762. मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोयला और लिग्नाइट के क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस समय कौन-कौन से प्रतिष्ठान संतोषजनक ढंग से कार्य नहीं कर रहे हैं ;

(ग) इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) कोयला तथा लिग्नाइट के खनन में केन्द्रीय सरकार के निम्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम कार्यरत हैं:—

1. कोल इंडिया लि०, कलकत्ता अपनी निम्नलिखित सहायक कम्पनियों सहित :

(i) भारत कोकिंग कोल लि० (बीसीसीएल), धनबाद

(ii) ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (ई.को.लि.), सेंकटोरिया

(iii) सेंट्रल कोलफील्ड्स लि० (सें.को.लि.), रांची

(iv) वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (वें.को.लि.), नागपुर

(v) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (एसईसीएल), बिलासपुर

(vi) महानदी कोलफील्ड्स लि० (म.को.लि.), सम्बलपुर

(vii) नार्दर्न कोलफील्ड्स लि० (ना.को.लि.), सिंगरौली

2. नेयवेली लिग्नाइट कारपोरेशन (ने.लि.का.), नेयवेली, तमिलनाडु इन दोनों के अलावा, सिंगरौली कोलियरीज कम्पनी लि०, कोठागुडम (आ.प्र.) जो कि एक सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी है, कोयला खनन कार्य में कार्यरत हैं। और यह कम्पनी आंशिक रूप में भारत सरकार के अधीन है।

(ख) से (घ) ने०लि०का० एक लाभ कमाने वाली कंपनी है तथा इसका कार्य निष्पादन अच्छा रहा है। को०इ०लि० का पिछले कुछ वर्षों से कार्य निष्पादन भी समग्र रूप में संतोषजनक रहा है। वर्ष 1991-92 तथा 1992-93 में कंपनी ने लाभ कमाया है तथा वर्ष 1993-94 में भी इसके लाभ कमाने की आशा है। यद्यपि इसकी दो सहायक कंपनियों के वित्तीय परिणाम संतोषजनक नहीं है, अर्थात भा०को०को०लि० तथा ई०को०लि० जो कि निम्न कारकों, जैसे (i) राष्ट्रीयकरण से पहले अपने क्षेत्रों में अवैज्ञानिक रूप में खनन कार्य (ii) खानों का गैर आर्थिक आकार (iii) घनी जनसंख्या सतही क्षेत्र जिससे खनन क्रियाकलाप प्रतिबंधित होते हैं। (iv) गहरी भूमिगत खानें (v) अतिरिक्त श्रमशक्ति, आदि।

इनके कार्यनिष्पादन में सुधार किए जाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:

(i) अलाभकारी खानों का पुनर्गठन

(ii) श्रमशक्ति का युक्तिकरण

(iii) यन्त्रिकरण द्वारा उत्पादन तथा उत्पादकता में सुधार

(iv) हैवी अर्थ मूविंग मशीनरी की उपलब्धता तथा उपयोगिता में सुधार

सिंगरेनी कोलियरी कंपनी लि० (सिं०को०कं०लि०) घाटा उठा रही है,

चूंकि यह विभिन्न कारणों से अपनी पूर्ण उत्पादन क्षमता नहीं प्राप्त कर सकी है। कंपनी का ऋण/इक्विटी अनुपात में इस स्थिति तक गिरावट आ गई कि वर्ष 1993 में कंपनी को औद्योगिक एवं वित्तीय पुर्ननिर्माण के बोर्ड को संदर्भित करना पड़ा।

सरकार ने हाल ही में इसके पूंजीगत आधार को निम्न के जरिए पुनर्गठित किया है. केंद्र सरकार तथा आन्ध्र प्रदेश सरकार दोनों से उपयुक्त रूप में इक्विटी में वृद्धि करके ऋण को इक्विटी में परिवर्तित करके तथा ब्याज आदि की अदायगी का स्थगन। ये उपाय कंपनी को उसके उत्पादन की लागत कम करने तथा कार्यनिष्पादन में सुधार करने में सहायक होंगे।

Grade of coal in a seams of open cast mines

763. SHRI PARMFSHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) what is the basis of fixation of a grade of coal in a seam, both in thick or thin seams; of open cast mines;

(b) whether the sample from the channel drawn with pickable band or shale;

(c) if not, the reasons therefor; and

(d) if so, whether these pickable bands and shale being separately mined and removed from the coal produced or is it being mixed alongwith the coal?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) to (d) The grade of coal for both thick and thin seams in opencast